तापमान
अधिकतम 36.5 डिग्री
न्यूनतम 20.5 डिग्री

हरिभूमि
रेवाड़ी भूमि

रोहतक, सोमवार, 14 अप्रैल 2025

11 कलश यात्रा निकालकर प्राचीन ठाकुरजी मंदिर में श्रीमद् भागवत कथा का किया शुभारंभ

12 शहर की सड़कों पर ऊंचे-नीचे मेनहोल बने आफत विभाग की लापरवाही दे रही हादसों को न्योता

खबर संक्षेप

मारपीट के आरोप में बाप-बेटा नामजद

जाटूसाना। बालधन कलां में एक डेयरी के पास बैठे युवक पर हमला करने के आरोप में पुलिस ने बाप-बेटे के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस बयान में बेरली कलां निवासी भूपेंद्र ने बताया कि वह किसी काम से बालधन कलां में एक डेयरी पर आया हुआ था। वह एक दुकान के बाहर सड़क किनारे बैठा हुआ था। उसने आरोप लगाया कि दयानंद और उसके बेटे सुखबीर ने वहां आकर उस पर हमला कर दिया। उसके शरीर पर काफी चोटें आई हैं। पुलिस ने उसके बयान पर दोनों आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी।

वर्कशॉप के बाहर खड़ी कार ले गए चोर

रेवाड़ी। जड़थल के रतनपुर की ढाणी रोड पर चोर एक वर्कशॉप के बाहर खड़ी कार चोरी कर ले गए। पुलिस शिकायत में जड़थल निवासी रामसिंह ने बताया कि उसने ढाणी रोड पर वेल्डिंग की वर्कशॉप की हुई है। घर से कार लेकर वह वर्कशाप आया था। कार बाहर खड़ी करने के बाद वह अपने काम में व्यस्त हो गया। दोपहर 2 बजे जब वह वर्कशॉप से बाहर आया तो उसे कार गायब मिली। काफी पूछताछ करने के बाद भी कार कोई पता नहीं चला। पुलिस ने उसकी शिकायत पर चोरी का केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी।

पीएसआरसी एक्ट में एक और गिरफ्तार

रेवाड़ी। थाना रामपुरा पुलिस ने वर्ष 2022 में डीटीपी की शिकायत पर दर्ज किए गए केस में एक आरोपी महिला को गिरफ्तार किया है। सूंदरोज के आसपास अवैध रूप से निर्माण करने के आरोप में डीटीपी ने पंजाब शेड्यूल रोड एंड कंट्रोल्ड एरिया एक्ट के तहत 70 लोगों के खिलाफ पुलिस को पत्र लिखा लिखा था। पुलिस ने 4 जुलाई 2022 को आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज करने के बाद कई आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था। अब इस मामले में सूंदरोज निवासी संजना को काबू किया गया है। बाद में उसे पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

शोरूम में काम करने वाली युवती गायब

धारूहेड़ा। यहां एक कार शोरूम में काम करने वाली राजस्थान के भिवाड़ी की एक कॉलोनी निवासी युवती लापता हो गई। पुलिस शिकायत में युवती के पिता ने बताया कि उसकी 19 वर्षीय बेटी एक कार शोरूम में नौकरी कर रही है। 10 अप्रैल को वह घर से शोरूम के लिए निकली थी। इसके बाद वह शाम को घर नहीं लौटी। उसने अपनी बेटी का पता लगाने के लिए रिश्तेदारियों में भी पूछताछ की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चल सका। पुलिस ने उसकी शिकायत पर केस दर्ज करने के बाद युवती का पता लगाने के प्रयास शुरू कर दिए।

मोटर व्हीकल एक्ट के तहत एक गिरफ्तार

रेवाड़ी। थाना रामपुरा पुलिस ने मोटर व्हीकल एक्ट के तहत एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गत वर्ष 28 अक्टूबर को हरी नगर फ्लाईओवर के पास सरसों की भूसी से भरे हुए एक वाहन के कारण सड़क हादसा हो गया था। पुलिस ने विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। वाहन चालक मौके से फरार हो गया था। मामले की जांच के बाद पुलिस ने नूंह के सुनारी निवासी साहिद खान को गिरफ्तार कर लिया। उसे तफ्तीश में शामिल करने के बाद पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

ढाणी ठेठरबाढ़ में बुजुर्ग घर से लापता

डहीना। ढाणी ठेठरबाढ़ से एक 67 वर्षीय बुजुर्ग अचानक घर से लापता हो गया। गांव निवासी राजसिंह की पत्नी ने पुलिस शिकायत में बताया कि उसका पति दो साल से मानसिक रूप से परेशान चल रहा है। वह 12 अप्रैल को सुबह के समय घर से निकला था।

पट्टे की राशि तक में अनुदान मुहैया करा रही सरकार

किसानों व पंचायतों के लिए मोटे मुनाफे का सौदा मत्स्य पालन को बढ़ावा देने की मुहिम कल से

- कल से 30 तक विभाग चलाएगा जागरूकता अभियान

नरेन्द्र वत्स ▶▶| रेवाड़ी

मत्स्य पालन किसानों से लेकर पंचायतों तक के लिए फायदे का सौदा साबित होता है। सरकार की ओर से पट्टा राशि से लेकर वाहन खरीदने तक पर अनुदान दिया जाता है। इसके बावजूद इस व्यवसाय को अपनाने में लोग ज्यादा दिलचस्पी नहीं ले रहे हैं। मत्स्य पालन विभाग की ओर से इस व्यवसाय को बढ़ावा देने के लिए 15 अप्रैल से मत्स्य पालन पखवाड़ा शुरू किया जा रहा है, जिसके तहत किसानों को मत्स्य पालन का व्यवसाय अपनाने के लिए जागरूक किया जाएगा। इस अभियान के तहत ग्राम पंचायतों को भी तालाब पट्टे पर देने के लिए प्रेरित किया जाएगा। बरसात के सीजन में मछलियां पालन को बढ़ावा देने के लिए लोगों को जानकारी दी जाएगी। प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत सरकार ने मछली पालन को बढ़ावा देने के लिए अनेक योजनाएं चलाई हुई हैं। इसके तहत सरकार कोल्ड स्टोरेज के आधुनिकीकरण के लिए 50 लाख रुपये तक की वित्तीय सहायता प्रदान करती है। मछली पालन के व्यवसाय में काम आने वाली वस्तुओं की खरीद में वित्तीय सहायता के साथ-साथ अनुदान का प्रावधान भी है। इंटेन्सिव फिशरीज स्कीम के तहत तालाबों के सुधार व नवीकरण प्रति हेक्टेयर 2 लाख रुपये तक का अनुदान दिया जा रहा है। तालाब के पास सोलर सिस्टम लगाने के लिए सरकार 75 फीसदी तक अनुदान देती है। यह राशि सामान्य वर्ग, महिलाओं और अनुसूचित जाति के लोगों के लिए अलग-अलग हो सकती है। मछलियों को बाजार तक पहुंचाने के लिए कमर्शियल व्हीकल्स की खरीद पर भी 25 फीसदी तक अनुदान दिया जा रहा है। इसके साथ-साथ जाल खरीदने और मछलियों के खाद खुराक की खरीद पर भी सरकार अनुदान दे रही है। इन सब के बावजूद जिले में मत्स्य पालन को वह गति नहीं मिल पाई है, जितनी मिलनी चाहिए थी। विभाग की ओर से अब किसानों और पंचायतों को जागरूक करने के लिए 30 अप्रैल तक जागरूकता पखवाड़ा शुरू करने का निर्णय लिया गया है।

रेवाड़ी। बालावास अहीर व आराम नगर के जोहड़ों में हो रहा मछली पालन। फोटो :हरिभूमि

पट्टे पर देने से पंचायतों की बढ़ती आय

ग्राम पंचायतों के लिए मत्स्य पालन के लिए तालाब पट्टे पर दिया जाना फायदो का सौदा होता है। अधिकांश गांवों के तालाबों में दूषित पानी छोड़ा जा रहा है, जिससे इन तालाबों का पानी पशुओं के पीने योग्य नहीं होता। तालाबों में पनपने वाले मच्छरों से गांवों में संक्रामक रोगों के फैलने की आशंका बनी रहती है। इन तालाबों में मछली पालने से एक ओर जहां पट्टे की रकम ग्राम पंचायत की आमदनी बढ़ाने का कार्य करती है, वहीं तालाब की मछलियां मच्छरों का लारवा विकसित होने से रोकती हैं। तीसरे गांवों के युवाओं को भी इससे रोजगार मिलता है। कम से कम एक तालाब में मत्स्य पालन एक युवा को रोजगार देता है।

मच्छर खत्म करने में मछलियां सहायक

तालाबों के दूषित पानी में मच्छरों की भरमार रहती है। इससे गांवों में मलेरिया से लेकर चिकनगुनिया और डेंगू जैसे रोगों के पनपने की आशंका बनी रहती है।

तालाबों में मछलियां छोड़े जाने के बाद मच्छरों के पनपने पर रोक लगती है। इसके बादवजूद पंचायत प्रतिनिधि मत्स्य पालन के लिए इन तालाबों को पट्टे पर देने से बच रहे हैं। मत्स्य पालन विभाग की ओर संपर्क किए जाने के बाद भी सरपंच इस कार्य में दिलचस्पी नहीं ले रहे, जिस कारण गांवों के तालाब व्यर्थ साबित हो रहे हैं।

महिलाएं भी अपना सकती हैं व्यवसाय

मछली पालन ऐसा व्यवसाय है, जिससे किसानों के साथ-साथ महिलाएं भी अपनी आमदनी बढ़ा सकती हैं। जिन गांवों के तालाबों में पानी है, वहां मछली पालन हो रहा है। लोगों को जागरूक करने के लिए ब्लॉक स्तर पर अभियान शुरू किया जा रहा है। इसके लिए ब्लॉक अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है। -आशा हुड्डा, डीएफओ।

पालकों को बेचने में नहीं परेशानी

मत्स्य पालन का व्यवसाय करने वाले लोगों के लिए पहले इन्हें बेचने में परेशानी का सामना करना पड़ता है। मच्छलियां बेचने के लिए दिल्ली, बहादुरगढ़, फरीदाबाद, झज्जर व कई अन्य शहरों में बेची जाती हैं। विभाग की ओर से भी मच्छलियां बेचने की व्यवस्था कराई जाती है। किसानों के तालाब से ही खरीददार मछलियां खुद पकड़कर ले जाते हैं। उन्हें मच्छलियों का भाव भी अच्छा मिलता है। किसानों को कई अन्य सुविधाएं भी दी जा रही हैं।

मछली के कारोबार से बढ़ती है आमदनी

सरकार किसानों की आय बढ़ाने के लिए उन्हें खेती के साथ-साथ आय के दूसरे संसाधनों का इस्तेमाल करने पर जोर दे रही है। इसमें मत्स्य पालन भी खेती के साथ किया जाने वाला व्यवसाय है। किसान अपने खेत में तालाब बनाकर मत्स्य पालन को अपना सकते हैं। इसके में सरकार उन्हें तालाब की खुदाई से लेकर मच्छलियों का बीज तक उपलब्ध कराने के लिए अनुदान देती है। मत्स्य पालन का धंधा बंद करने की स्थिति में तालाब को पाटने के लिए सरकार पैसा मुहैया कराती है।

आज प्रधानमंत्री वर्चुअल माध्यम से रेवाड़ी बाईपास योजना का करेंगे उद्घाटन

- जिले में उद्घाटन समारोह का किया जाएगा सीधा प्रसारण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

सोमवार को भारत रत्न बाबा साहेब डा. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर हरियाणा प्रदेश को विकास की कई बड़ी सौगात मिलने जा रही हैं। प्रधानमंत्री वर्चुअल माध्यम से रेवाड़ी के नवनिर्मित नेशनल हाइवे के बाईपास का भी उद्घाटन करेंगे। इसके अलावा यमुना नगर में हजारों करोड़ की परियोजनाओं का शुभारंभ किया जाएगा। डीसी अभिषेक मीणा ने बताया कि समारोह का यमुनानगर से सीधा प्रसारण किया जाएगा। नेशनल हाईवे के समीप सुबह 10 बजे कार्यक्रम शुरू होगा, जिसमें जिला प्रशासन के सभी अधिकारी व क्षेत्र के प्रमुख जनप्रतिनिधि मौजूद रहेंगे। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की ओर से कार्यक्रम का संयोजन किया गया है। डीसी ने बताया कि आधुनिक परिवहन व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए रेवाड़ी बाईपास योजना का सफल क्रियान्वयन हुआ है। भारतमाला परियोजना के अंतर्गत हाइब्रिड एन्युइटी मोड पर 1069.42 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित 14.4 किलोमीटर लंबा बाईपास अब वाणिज्यिक संचालन के लिए पूर्ण रूप से खोल दिया गया है। यह बाईपास न केवल रेवाड़ी शहर के यातायात भार को कम करेगा, बल्कि दिल्ली से नारनौल की यात्रा को एक घंटे तक कम कर, प्रदेश की आर्थिक और सामाजिक गतिविधियों को नई गति प्रदान करेगा।

रेवाड़ी। डीसी अभिषेक मीणा, रेवाड़ी के नवनिर्मित नेशनल हाइवे का बाईपास। फोटो :हरिभूमि

जीवन में सफलता पाने के लिए प्रेम, सुख और शांति की जरूरत: एसपी सिंह

- पूर्व सैनिकों ने केक काटकर मनाया 891 फील्ड रेजीमेंट का 62वां स्थापना दिवस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

पूर्व सैनिकों की ओर से 891 फील्ड रेजीमेंट का 62वां स्थापना दिवस मनाया गया। एनएच-48 स्थित निजी होटल में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि लेफ्टिनेंट जनरल एसपी सिंह थे। मुख्यातिथि ने केक काटकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आज देशभर से पूर्व सैनिक कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने पहुंचे हैं, यह उनके लिए गर्व की बात है। एसपी सिंह ने कहा की जीवन में सफलता पाने के लिए प्रेम, सुख और शांति की जरूरत होती है। उन्होंने कहा कि यूनिट ने देश के लिए बहुत बड़े-बड़े कार्य किए हैं। इस रेजिमेंट की स्थापना 15 अप्रैल 1964 को औरंगाबाद में अहीर सैनिकों के साथ 89 लाइट रेजिमेंट के रूप में की गई थी। बाद में इसे 891 फील्ड रेजिमेंट नामित किया गया और इसने कुछ समय के लिए मध्यम रेजिमेंट के रूप में भी काम किया। कार्यक्रम में राजस्थान, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, पंजाब व बिहार से पूर्व सैनिकों ने भाग लिया। इस अवसर पर कैप्टन धर्मपाल, कैप्टन परमानंद, सूबेदार सतीश यादव, सूबेदार जसवंत सिंह, आरएचएम नरपाल सिंह बीबीरानी, सूबेदार भूरसिंह, नायक अमरपाल, सूबेदार मेजर कुलदीप यादव, नायक चरण सिंह व नायक विक्रम सिंह सहित सैकडों की संख्या में पूर्व सैनिक मौजूद थे। कार्यक्रम में वीरांगनाओं को सम्मानित किया गया।

रेवाड़ी। कार्यक्रम में मौजूद अतिथि व पूर्व सैनिक। फोटो :हरिभूमि

महिला ने संदिग्ध हालत में फांसी लगाई पति समेत तीन पर दहेज हत्या का केस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुंड

पाडला में लगभग 22 साल की महिला की संदिग्ध हालत में फांसी लगाने से मौत हो गई। उसकी मां ने ससुराल पक्ष के लोगों पर दहेज के लिए प्रताड़ित करने और फांसी लगाने के लिए मजबूर करने के आरोप लगाए हैं। पुलिस ने पति व सास-ससुर के खिलाफ दहेज हत्या का केस दर्ज किया है। गांव निवासी कुलदीप उर्फ की पत्नी हेमलता ने बीते शनिवार को अपने कमरे में फांसी लगा ली। उसका शव पंखे के हुक से लटका हुआ मिला। परिजनों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया। सीन ऑफ क्राइम टीम को भी मौके पर बुलाया गया। हेमलता की मौत की सूचना मिलने के बाद उसके मायके पक्ष के लोग भी आ गए। पुलिस शिकायत में उसकी मां अचाउर खुर्द निवासी राजकुमारी ने बताया कि उसने कुछ साल पहले ही अपनी बेटी की शादी कुलदीप के साथ की थी। शादी के बाद से ही उसकी बेटी को दहेज की मांग पर प्रताड़ित किया जाने लगा। प्रताड़ना से तंग आकर उसकी बेटी जान देने के लिए मजबूर हो गई। पुलिस ने कुलदीप, उसकी मां मंजू व पिता विजयपाल के खिलाफ दहेज हत्या का केस दर्ज कर लिया। आरोपी कुलदीप को पुलिस ने करबू कर लिया।

कोसली आईटीआई में ड्यूटी के दौरान चौकीदार की हार्ट अटैक से मौत

कोसली। कोसली आईटीआई में चौकीदार के पद पर कार्यरत झाल गांव निवासी व्यक्ति की शनिवार रात ड्यूटी के दौरान हृदयाघात से मौत हो गई। रविवार प्रातः चौकीदार पवन कुमार की ओर से फोन अटेंड नहीं करने पर उनका बेटा पंकज आईटीआई पहुंचा तो उनका कमरा अंदर से बंद मिला। सूचना के बाद आईटीआई के अधिकारी मौके पर पहुंचे तथा कमरे का दरवाजा तोड़ा गया तो उन्हें मेज के पास नीचे पड़ा पाया। बेटे पंकज ने बताया कि उनके पिता की रात्रि समय ड्यूटी रहती थी। शनिवार सायं उनके पिता पवन कुमार घर से शाम को ड्यूटी पर आईटीआई गए थे। सुबह 9 बजे ड्यूटी खत्म होने के पश्चात उनके पिता ने फोन नहीं उठाया तो वह खुद आईटीआई पहुंचे। सुबह का चौकीदार भी मेन गेट के बाहर खड़ा हुआ था। सूचना के बाद कोसली पुलिस मौके पर पहुंची तथा मृतक चौकीदार के पुत्र पंकज के ब्यान पर सामान्य कार्रवाई करते हुए मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया गया। पंकज ने बताया कि उनके 50 वर्षीय पिता पवन कुमार सेना से सेवानिवृत्त होने के बाद पुलिस में एसपीओ रहे।

वाहनों की फर्जी टैक्स रसीद काटने का आरोपी दस साल बाद गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

थाना धारूहेड़ा पुलिस ने दिल्ली-जयपुर नेशनल हाइवे पर वाहनों की फर्जी टैक्स रसीद काटने के एक आरोपी को लगभग 10 साल बाद गिरफ्तार किया है। एक आरोपी को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। गिरफ्तार किया गए आरोपी को कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया। दिल्ली के गढ़ी निवासी ट्रांसपोर्टर रामअवतार ने 19 जुलाई 2015 को पुलिस शिकायत में बताया था कि उसका ट्यूरिस्ट बसों का काम है। उसकी दो बसें 18 जुलाई की रात दिल्ली से अजमेर के लिए चली थीं। जब दोनों बस धारूहेड़ा से कुछ दूर आगे निकली तो उसे ऑनलाइन टैक्स काटने का बोर्ड दिखाई दिया। उसने दोनों बसों का राजस्थान का टैक्स कटवाने के लिए गाड़ी रोक दी। एक बस का 5761 रुपये और दूसरी का 5560 रुपये टैक्स कटवाया, परंतु उसके मोबाइल फोन पर टैक्स जमा कराने का कोई मैसेज नहीं आया। राजस्थान की सीमा में आबकारी अधिकारियों ने बस रुकवाकर टैक्स चेक किया तो फर्जी रसीदें पाई गई। उसने दोबारा से टैक्स का भुगतान किया। टैक्स की रसीद काटने वाला नूंह के छपड़ा का रहने वाला रणधीर था। पुलिस ने उसकी शिकायत पर केस दर्ज करने के बाद रणधीर को काबू कर लिया था।

मारे गए गोवंश में चार गाएं व दो नंदी बताए जा रहे, गोरक्षा दल के सदस्यों ने उन्हें उठाकर जमीन में दबवा दिया

दो ट्रेनों की चपेट में आए 6 गोवंश, एक्सप्रेस और पैसेंजर ट्रेनें हुई लेट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोसली

शनिवार की रात व रविवार सुबह हिसार रेल लाइन पर दो ट्रेनों की चपेट में आकर 6 गोवंश की मौत हो गई। हादसे के कारण रेल मार्ग पर कई ट्रेनों का संचालन देरी से हुआ, जिससे रेल यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। मारे गए गोवंश में चार गाएं व दो नंदी बताए जा रहे हैं। गोरक्षा दल के सदस्यों ने उन्हें उठाकर जमीन में दबवा दिया। रात को जयपुर से अमृतसर जा रही एक्सप्रेस ट्रेन 12:27 बजे जब स्टेशन के पास पहुंची तो चार गोवंश उसकी चपेट में आ गए। चालक ने ट्रेन वहीं रोक दी। इसके बाद मारे गए गोवंश को लाइनों से हटाया गया। लगभग एक घंटे तक ट्रेन वहीं खड़ी रही। बाद में ट्रेन को रवाना किया गया। गोवंश के ट्रेन की चपेट में आने के कारण रेलवे लाइन की क्लैंप करीब 200 मीटर तक उखड़ गई। रेल कर्मचारियों ने रात को ही लाइन को ठीक करने का कार्य शुरू किया गया। इस दौरान हिसार की ओर से आ रही एक ट्रेन को करीब 1 घंटे तक आउटर पर ही रोकना पड़ा। इस रूट पर गोवंश कटने के कारण कई ट्रेनों का संचालन देरी से हुआ, जिस कारण रेल यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

रेवाड़ी। ट्रेन की चपेट में आने से मृतक गोवंश। फोटो :हरिभूमि

सुबह पैसेंजर ट्रेन की चपेट में आई दो गाय

रात को हुए हादसे के बाद रविवार सुबह भिवानी की ओर से आ रही एक पैसेंजर ट्रेन की चपेट में आकर भी दो गायों की मौत हो गई। गायों को ट्रैक से हटाने तक काफी देर ट्रेन स्टेशन के पास ही खड़ी रही। सूचना मिलने के बाद गोरक्षा दल के सदस्या मौके पर पहुंच गए। उन्होंने मृत गोवंश को वहां से उठाकर जमीन में दबवाया दिया।

मंडी का कचरा बन रहा मौत का कारण

मंडी के आसपास रहने वाले लोगों का कहना है कि सब्जी मंडी के व्यापारी बची हुए खराब सब्जियां व कचरा रेलवे लाइन के आसपास डालते हैं। गोवंश व दूसरे पशु पेट भरने के लिए लाइनों के पास सब्जी व कचरे के ढेरों के पास पहुंच जाते हैं। इस दौरान जब कोई ट्रेन यहां से गुजरती है, तो पशु उसकी चपेट में आकर मर जाते हैं।

मित्रता की सच्ची परीक्षा संकट में नहीं, उत्कर्ष में होती है। जो मित्र के उत्कर्ष को बर्दाश्त कर सके, वही सच्चा मित्र होता है।
- हरिशंकर परसाई

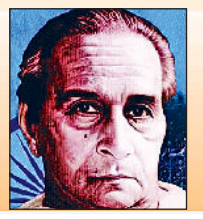

'मैं लुट गयी भाई, मैं लुट गयी। वे बिना कुछ कहे, सुने कैसे एकाएक हमें छोड़ गए। न बीमार हुए, न सेवा का अवसर दिया। अभी क्या उनकी उम्र थी जाने की? अभी तो एक माह के पोते को ढंग से गोद में भी न खिला पाए थे।' 'चुप हो जा मेरी बहन। देख तू ऐसे धैर्य छोड़ेगी तो हनी को कैसे चुप कराएगी?' मामा ने मेरी ओर संकेत करते हुए माँ को बहलाने का प्रयास किया।

अपने देश में

कहानी
आशा खत्री 'लता'

बाहर खिड़की से झांकते हुए अपने देश की शस्य- श्यामला धरती पर उगे हरे-भरे जंगलों, पहाड़ों को देखकर पिछले बहत्तर घण्टों में पहली बार उसके दिल को सुकून और मुख पर मुस्कान आयी थी। धरती पर तने नीलाम्बर को देख यूँ प्रतीत हो रहा था जैसे वह धरती का प्रहरी बन अड़ा खड़ा है। उसे लगा धरती, उस पर उगे पेड़-पौधे, आकाश और उसमें तैरते बादल, कभी पेड़ों के पत्तों और कभी बादलों के झुरमुट को उड़ाती पवन सबका आपस में गहरा रिश्ता है। सबका सुख-दुःख साझा है। दुःख, दर्द, पीड़ा, खुशी में सब एकत्रित होकर दुःखी को घेरकर ढाँढस बंधाते हैं, उसके दर्द को आत्मसात कर घटा देते हैं, बाँट लेते हैं।

विमान रनवे पर उतरने लगा था, उसे लगा कि पिछले 72 घण्टे से जिस दर्द के जाल में फँसकर वह फड़फड़ा रहा था, अब वह उसकी पकड़ से बाहर आ रहा है। माँ का हाथ थामे वह जैसे ही आवश्यक औपचारिकताएं पूरी कर बाहर आया, उसे कई परिचित चेहरे दिखाई देने लगे। जिन्हें देख माँ के मुँह से एकाएक शब्द फूटे-

'देख हेमंत।'

'हाँ माँ देख रहा हूँ, कृष्ण चाचा, शमशेर मामा, रोहित और अभिनव को।'

'हाँ' होंठ खुलने के साथ ही माँ की आंखें भर आई। हेमंत जिसे घर में सब प्यार से हनी कहते हैं अनुभव कर रहा था कि माँ तो जैसे इन तीन दिनों में ही पचपन की यंग लेडी बहत्तर की बुढ़िया हो गयी है। पापा हमेशा माँ को यंग लेडी ही तो कहा करते थे। क्योंकि वे थी ही ऐसी, बिलकुल लड़कियों-सी। आज वही हँसती-मुस्कुराती, ऊर्जा से ओत-प्रोत यंग लेडी 72 घण्टों में ही जैसे दुःख, दर्द उदासी की प्रतिमूर्ति बन गयी हैं। इन्हीं विचारों में डूबा वह सामने खड़े रिश्तेदारों तक पहुंचा तो देखा कि मामा ने तेज कदमों से आगे बढ़कर अपनी बहन को बाहों में भर लिया। उसे भी चाचा ने जिस अपनेपन से आलिंगन में लिया, वह अपनत्व की अनुभूतियों का चरम बिन्दु था।

'क्या हुआ तेरा पापा जो चला गया, मैं हूँ ना, तुझे कभी उसकी कमी अनुभव नहीं होने दूँगा।' कृष्ण चाचा ने सरगोशी की।

'जी चाचा जी, मैं समझता हूँ आपकी भावनाओं को, आपके स्नेह को।' उसने भर्राए स्वर में कहा।

'देख हनी, वह मेरा भाई था, तू उसके जिगर का टुकड़ा था तो हम दोनों भी एक ही जिगर के टुकड़े थे, एक माँ का दूध पिया, एक माँ के पेट से जन्म लिया। वह तो भाई की विदेश जाने की जिद थी वरना हम कभी अलग नहीं रहे। उसके चले जाने का दुःख मुझे मार डाल रहा है। परन्तु मैं उसको तुझमें देख रहा हूँ और तू भी उसको मुझमें अनुभव करना बेटे।' कहते हुए शमशेर चाचा की रुलाई फूट पड़ी।

माँ मामा से लिपटकर बिलख पड़ी थी। जैसे किसी नीर से लबालब भरी नदी पर बंधा बांध टूट गया हो।

'मैं लुट गयी भाई, मैं लुट गयी। वे बिना कुछ कहे, सुने कैसे एकाएक हमें छोड़ गए। न बीमार हुए, न सेवा का अवसर दिया। अभी क्या उनकी उम्र थी जाने की? अभी तो एक माह के पोते को ढंग से गोद में भी न खिला पाए थे।'

'चुप हो जा मेरी बहन। देख तू ऐसे धैर्य छोड़ेगी तो हनी को कैसे चुप कराएगी?' मामा ने मेरी ओर संकेत करते हुए माँ को बहलाने का प्रयास किया।

'मेरे घर की खुशियों को मेरी ही नजर लग गयी भाई। पहले दिन ही तो मैंने कहा था कि भगवान ने हमें सब कुछ दे दिया। अब हमें और क्या चाहिए। भगवान ने ऐसा क्यों किया भाई, भगवान ने उन्हें इतनी जल्दी क्यों बुला लिया?'

'चुप हो जा मेरी बहन, भगवान ने जिसकी जितनी साँसें लिखी हैं हम न उनसे एक अधिक ले सकते हैं न कम।'

आते-जाते लोग हमें देख रहे थे। हम अभी उनसे बेखबर थे। अतः इसकी ओर ध्यान दिलाते दोनों चचेरे भाइयों ने हमें सहारा देते हुए गाड़ी में बैठाया। सामान वे पहले ही रखवा चुके थे।

गाड़ी में बैठने के बाद भी मम्मी, मामा से रोते-रोते बातें करती रही। उनकी रुलाई उनके रोकने के प्रयास के बाद भी थमने का नाम नहीं ले रही थी। मैं जो पिछले तीन दिनों के घटनाक्रम पर माँ की चुप्पी को उनकी बहादुरी समझ रहा था। अब देख रहा था उनके बिखर जाने को। शायद यह अपनों के साथ का असर था। वहाँ हम अकेले थे। पापा ने उस दिन शाम को छाती में दर्द अनुभव किया तो हमने कहा चलो आपको डॉक्टर के पास ले चलते हैं।

मुझे लगा कि अब हम अकेले नहीं हैं। यहाँ सब अपने हैं। कहाँ हम वहाँ एक चेहरा देखने को तरस गए थे, कहाँ यहाँ घर में तिल रखने की जगह नहीं थी। सब अपनी-अपनी सामर्थ्य अनुसार हमें तसल्ली दे रहे थे, दुःख की इस घड़ी में हमारे साथ खड़े थे। मुझे लगा काश! पापा यहाँ आकर अंतिम साँस लेते। मुझे माँ का वह वाक्य 'विदेश में कोए ना मरियो जीजी' कड़वे सच की तरह गले में अटका अनुभव हो रहा था। मैं मन ही मन निश्चय कर चुका था, बहुत शीघ्र स्थायी रूप से अपने देश वापस लौटने का।

'नहीं, हनी अब तो अपने देश जाकर ही दिखाऊंगा।' अपने देश लौटने के उनके उत्साह के आगे हम सब बार-बार आग्रह करके भी मौन साधने को विवश हो गए। अब सोचता हूँ यह मौन हमें कितना भारी पड़ा? काश! हम पापा के उत्साह के आगे हथियार नहीं डालते। रात को ही पापा छाती में मामूली से दर्द के बाद हम सबको छोड़कर चले गए। एकाएक जो हुआ उसे देख हमारे हाथ-पाँव फूल गए। इस सबके बावजूद माँ ने हिम्मत दिखाते हुए कोमल को नन्हें कुशल के साथ कमरे में ही रहने का आदेश दे दिया।

मुझे एकाएक बुआ के बेटे सचिन का ध्यान आया जो हमसे पन्द्रह मिनट की दूरी पर ही रहता था। वही अमेरिका में हमारा एकमात्र अपना, दोस्त, खैरख्वाह था। उसे सूचना दी तो वह आधे घण्टे में ही हमारे पास पहुँच गया। परन्तु वह भी वहाँ इस तरह की स्थिति से कभी न गुजरा था। हम सब बहुत ही असहाय अनुभव कर रहे थे। मैं और माँ कभी पापा को छूते, कभी उनसे लिपटते और ईश्वर से बारम्बार प्रार्थना करते कि काश! वे अब भी पापा की सांसें लौटा दें, काश! वे अब भी उठ बैठें।

अपना देश तो सात-समंदर पार था और हम नहीं जानते थे कि इस अनजानी जगह पर हम पापा की पार्थिव देह का अंतिम संस्कार कैसे और कहाँ करें। आज यह सुन्दर और आकर्षक मुल्क हमारे लिए नितान्त अजनबी हो गया था।

इस बीच सचिन ने अपने एक दोस्त के माध्यम से एक पण्डित का पता लगा लिया, जिनसे संपर्क कर हमें आगे की कार्रवाई और पापा के संस्कार के लिए मार्गदर्शन और सहयोग मिला। उनके प्रयासों से जैसे-तैसे अंतिम संस्कार सम्पन्न हुआ। अगले ही दिन हम तय कार्यक्रम के अनुसार भारत के लिए चल पड़े। यह भी किसी ईश्वरीय शक्ति की कृपा मैंने हम पर अनुभव की कि हमारी टिकटें पहले से बुक थी।

इस दौरान हमने जो अकेलापन अनुभव किया, वह हम माँ बेटों के लिए जीवन का सबसे कटु अनुभव था, जिसमें हमने अपनों के साथ होने की आवश्यकता को हर पल शिद्दत से महसूस किया। यही तड़प निरन्तर मन को कचोटती रही कि काश! कोई अपना आकर गले से लगा ले तो हम जी भरकर रो लें। परन्तु वहाँ ऐसा कोई न था जो हमारे इस घोर दुःख में मन का साथी बनता। यहाँ अब जब अपनों ने गले लगाया तो उनके आलिंगन की ऊष्मा ने दिलों में जमे दर्द के पत्थर को पिघला दिया। आँखें रास्ता बन गयी और वह वेग से बाहर बहने लगा।

एक घण्टे का सफर तय कर बोलते-बतियाते, उन अथाह दुखों के पलों को अपनों से साझा करते हम दोनों की हालत पहले से कुछ-कुछ ठीक हो चुकी थी। गाँव में प्रवेश किया तो लोग रुक-रुक कर, एक तरफ होकर गाड़ी को रास्ता देने लगे। उनके व्यवहार में सम्मान और अपनत्व की झलक थी जैसे सारे गाँव को पता हो कि महेश को खोकर उसके बालक गाँव लौटे हैं।

अपनी गली में मुड़े तो पूरी गली लोगों से भरी हुई थी। यहाँ भी लोगों ने बड़े स्नेह से हमारी गाड़ी को रास्ता दिया। घर के सामने पहुँचकर तो घर-कुनबे और रिश्तेदारों ने हमें घेर लिया। बुआ चाची, मौसी, भाभी, चचेरे, ममेरे, फुफेरे जैसे सब रिश्तेदार हमारा दुख बाँट लेने को आतुर थे।

बड़ी बुआ से माँ का सदैव से गहरा स्नेह रहा है उनसे लिपटकर तो माँ बिलख ही पड़ी 'विदेश में कोए ना मरियो जीजी'

ऐसे द्रवित कर देने वाले उद्गारों से बुआ भी अपना धैर्य खो रही थी

'कहाँ छोड़ आई विमल मेरे भाई को, मेरे महेश को।'

'तू तो शांति रख यशवंती, इसे सम्भाल। ले पानी पी और अपनी भाभी को पिला। देख क्या हाल हो गया है इन माँ-बेटों का।' पिता की चाची ने दोनों को समझाते हुए कहा।

मुझे लगा कि अब हम अकेले नहीं हैं। यहाँ सब अपने हैं। कहाँ हम वहाँ एक चेहरा देखने को तरस गए थे, कहाँ यहाँ घर में तिल रखने की जगह नहीं थी। सब अपनी-अपनी सामर्थ्य अनुसार हमें तसल्ली दे रहे थे, दुःख की इस घड़ी में हमारे साथ खड़े थे। मुझे लगा काश! पापा यहाँ आकर अंतिम साँस लेते। मुझे माँ का वह वाक्य 'विदेश में कोए ना मरियो जीजी' कड़वे सच की तरह गले में अटका अनुभव हो रहा था।

मैं मन ही मन निश्चय कर चुका था, बहुत शीघ्र स्थायी रूप से अपने देश वापस लौटने का।

उधर, आज विमला को यह पानी भी अमृत लग रहा था। वह भी यही मन बना रही थी कि अब वे यही रहेंगे अपने देश में, अपनों के बीच।

लघुकथा
शकुंतला अग्रवाल शकुन

भिखारी

सुरेन्द्र जी ने अपने बेटे (पियूष) की पढ़ाई-लिखाई करवाने में कोई कसर नहीं रखी थी वैसे ही बेटे ने भी मेहनत से कभी जी नहीं चुराया था। नतीजन वह सॉफ्टवेयर इन्जीनियर बन कर बैंगलौर में सेटल हो गया। कुछ दिनों बाद ही अपनी सहकर्मी से शादी भी कर ली। अपना जीवन अपनी मर्जी से जीता है, माता-पिता की कभी खैर-खबर भी नहीं लेता। माता-पिता कभी कहते कि बेटा! कुछ दिनों के लिए हमारे पास भी आ जाओ तो समयाभाव की बोल कर इतिश्री कर लेता।

आखिरकार माता-पिता ने आपसी सहमती से अपनी सारी जमापूँजी वृद्धाश्रम को दान करने का मानस बनाकर, वहीं रहने भी लगे।

जब इस बात का बेटे को पता लगा तब तुरंत चला आया, आकर पिता से बोला-

'आपकी जमापूँजी पर केवल मेरा अधिकार है, वह मुझे ही मिलनी चाहिए।'

तब पिता बोले- कौनसा अधिकार? जिसको कर्तव्य याद नहीं ,उसके द्वारा अधिकारों की माँग करना, ऐसे लगता है जैसे द्वार पर कोई भिखारी खड़ा हो।

गजल
किरण यादव

वो तो इक दीवाना है
उसको क्या समझाना है

कुछ खोना, कुछ पाना है
जग का ताना - बाना है

ये दुनिया कुछ और नहीं
एक मुसाफ़िरख़ाना है

राजा, रंक, गृहस्थ, फ़क़ीर
इक दिन सबको जाना है

अपनी तो क़िस्मत में ही
हर दिन धोखा खाना है

चांदनी केशरवानी सुगंधा

दिव्य प्रेम की धारा

अंतस में बहती जिसके बस, दिव्य प्रेम की धारा है।
तूफाँ हो या सागर गहरा,उसको मिला किनारा है।

कृष्ण साधना पूरी तब ही,जब राधे का गान हुआ।
प्रेम-दिवानी मीरा के हित,विष भी अमृत पान हुआ।
मन-नौका को प्रेम-सिंधु के, जिसने बीच उतारा है।
तूफाँ हो या सागर गहरा,उसको मिला किनारा है।

राधे के बिन सदा अधूरे,सबको ही घनश्याम दिखे।
सीता ने जब दर्पण देखा, तब तब ख़ुद में राम दिखे।
शबरी जैसे प्रबल प्रेम का ,जिसने लिया सहारा है।
तूफाँ हो या सागर गहरा,उसको मिला किनारा है।

वैदेही का त्याग-समर्पण, राम-कथा का सार बना।
सच्चाई ने छल को जीता, दीवाली त्योहार बना।
पावन प्रणय-भाव से चमके जिसका हृदय सितारा है।
तूफाँ हो या सागर गहरा,उसको मिला किनारा है।

पं. कमलकांत भारद्वाज

वक़्त ख़राब चल रहा था महंगी घड़ी ख़रीद ली
मुझे दोस्ती के लायक़ ना समझा और महोब्बत ख़रीद ली

मैं इतना परेशान हो चुका था ज़िंदगी में
सब कुछ बेच दिया और ज़हर की शीशी ख़रीद ली

मेरी नज़रों में अब गिर चुके है वो लोग
जिसने ईमान बेच दिया और सियासत ख़रीद ली

हमें अब डर नहीं लगता किसी का जनाब
हम वो हैं जिसने कफ़न बेच दिया और मौत ख़रीद ली

तवायफ़ से रूबरू हुए थे हम एक बार
पता चला कि उसने जिस्म बेच दिया और रूह ख़रीद ली

इतना रोए हैं एक शख़्स की याद में 'कमल'
नींद चैन सब बेच दिया और उसकी यादें ख़रीद ली।

राज ख्यालिया

विकास या विनाश

हरी-भरी थी धरती अपनी, पेड़ों से थी इसकी शान,
अब मशीनें चलने लगीं, कट रहे हैं सबके प्राण।

जंगल की छाँव थी जहाँ, थे पंछियों के मीठे बोल,
अब वहाँ बस शोर है, धूल और है बस कोलाहल।

भालू, हिरण, हाथी, गिलहरी सब कहाँ जाएँ?
घर उजाड़ कर उनका, हम क्या ही ऐसे पाएंगे

आईटी पार्क बनेगा, ऊँची इमारतें होंगी खड़ी,
पर किस कीमत पर? क्यों धरा पर ये ग़लती बड़ी?

कहो ये कैसा विकास है, जिसमें जीवन ही मिटे?
कैसी ये रौशनी कैसा उजाला जब साया भी कटे?

संभल जा ए खुदगर्ज इंसान, अब भी समय है,
जंगल के संग खुद को बचा यही असली विजय है।

साहित्यकार एवं कवि डा. अशोक अत्री का इस आधुनिक युग में साहित्य के सामने चुनौती को लेकर कहना है कि आज खासतौर से हरियाणवी साहित्य बदलाव के दौर से गुजर रहा है। ऐसे में इस बात की आवश्यकता है कि साहित्य में गहन अध्ययन मनन करने से ही समाज, खासतौर से युवा पीढ़ी को अपनी संस्कृति से जुड़े रहने के लिए प्रेरित करने पर फोकस होना चाहिए, ताकि समाज में तेजी से उभरती कुरीतियों को दूर करने में मदद मिल सके।

साक्षात्कार
ओ.पी पाल

समाजहित में साहित्यिक अध्ययन का खास महत्व : डा. अशोक अत्री

साहित्य के क्षेत्र में गद्य और पद्य दोनों विधाओं में साहित्य साधना करते आ रहे लेखक समाज को नई दिशा देने के मकसद से अपने रचना संसार को दिशा दे रहे हैं। ऐसे ही साहित्यकारों में शिक्षाविद् डा. अशोक कुमार अत्री भी अपनी लेखनी से सामाजिक सरोकारों से जुड़े मुद्दों के अलावा प्रकृति, पर्यावरण और सभ्यता तथा रीति-रिवाजों को अपनी रचनाओं में समाहित करके संस्कृति के संवर्धन करने में जुटे हुए हैं। एक शिक्षक के रूप में वे कॉलेज में सांस्कृतिक गतिविधियों की जिम्मेदारी का निर्वहन करते हुए युवा पीढ़ी को साहित्य से जुड़े रहने सीख देकर उन्हें विशेष रूप से हरियाणवी संस्कृति के देश विदेशों में बढ़ते प्रचार एवं प्रभाव का मौका दे रहे हैं।

हरिभूमि संवाददाता से हुई बातचीत के दौरान शिक्षाविद् एवं साहित्यकार डा. अशोक कुमार अत्री ने अपने साहित्यिक सफर को लेकर कुछ ऐसे पहलुओं का जिक्र किया है, जिसमें साहित्य समाज को सकारात्मक संदेश देने में सक्षम है। हरियाणा के कैथल स्थित आरकेएसडी कॉलेज में सहायक प्रोफेसर डा. अशोक कुमार अत्री का जन्म 09 जनवरी 1974 को जींद जिले के गांव ऐचरा खुर्द में मामन राम व शांति देवी के घर में हुआ। उनका यह गांव साहित्यिक चेतना के स्थल के रूप में समृद्ध एवं प्रसिद्ध रहा है। अशोक के दादा पं ज्ञानीराम क्षेत्र के प्रसिद्ध गायक रहे हैं, तो उनकी दादी भी लोक सत्संग में लीन रहती थी। उनके पिता पं मामनराम एवं चाचा पं राजेंद्र शास्त्री रामलीला के मंजे हुए कलाकार रहे हैं। मसलन उनके परिवार में साहित्य और सांस्कृतिक माहौल रहा है लेकिन उनका साहित्यिक सफर बहुत बाद में शुरू हुआ यानी शिक्षण कार्य में आने के बाद ही उन्हें इस बात का अहसास हुआ कि उन्हें लेखन करना चाहिए।

उनका पहला कविता संग्रह 'दिल चाहता कुछ बताना था' जिसमें उनके जीवन संघर्ष से जुडी यादें समाहित है और इसकी थीम कविता 'वो दिन' एक लम्बी कविता है। इस संग्रह में जीवन के विभिन्न आयामों से सम्बंधित कविताएं शामिल हैं। विशेष रूप से हरियाणावी संस्कृति एवं उसके विभिन्न पक्षों को भी इसमें समायोजित किया गया है। उन्होंने बताया कि जब उनके चचेरे भाई आनंद को उनके द्वारा लेखन करने का पता लगा, तो उन्होंने अपना पब्लिकेशन शुरू किया एवं उनके कविता संग्रह की हजारों प्रतियाँ छाप दी। उन्होंने गांव का तालाब कविता का जिक्र करते हुए बताया कि ग्रामीण समाज में तालाब गांव की जीवन रेखा होते थे, कपडे धोना, नहाना, पशुओं को नहलाना, महिलाओं के द्वारा रीति रिवाज़ सभी इससे जुड़े होते थे, लेकिन अब ये ऊझाड, बेजान पड़े हैं, कब्जाग्रस्त हैं इसलिए यह मुद्दा भी सामाजिक सरोकार से जुड़ा है। इसी प्रकार बदलते परिवेश में सामाजिक और तीज त्यौहार व रीति रिवाज की चर्चा को लेकर भी उनके लेखन का फोकस रहा है। मसलन महात्मा गांधी के दर्शन पर आधारित कविता 'गांधी अकेला' एक और अन्य महत्वपूर्ण रचना में उन्होंने समकालीन समय में गांधी के आदर्शों के प्रति जनता की उदासीनता को उजागर किया है। इसके अलावा प्रकृति से जुड़ी कविताओं में पर्यावरण की समस्या को उठाया गया है। वहीं समाज की सजगता के लिए पति-पत्नी सम्बन्धों, नौजवानों और बच्चों पर भी उन्होंने कविताएं लिखी हैं। जीवन में उतार चढ़ाव आना भी स्वाभाविक है और उनके सामने भी स्वास्थ्य सम्बंधित समस्याएं उभरी और घबराहट से बचने का अलग तरीका ढूंढने लगा। कविता लेखन के साथ कहानी भी लिखना शुरू किया, तो राहत मिली। इसके बाद उनका कहानी संग्रह 'फिर सुबह' और उसके बाद कविता संग्रह 'आ अब लौट चलें प्रकृति की ओर' प्रकाशित हुआ।

उनके साहित्य में हरियाणवी संस्कृति के अनछुए पहलूओं को महत्व दिया गया है। वहीं, एक शिक्षक के रूप में महाविद्यालय में आज भी उनके पास सांस्कृतिक गतिविधियों की जिम्मेदारी हैं, जिसमें महाविद्यालय राज्यस्तरीय रत्नावली कार्यक्रम का विजेता होने के कारण वह हरियाणवी संस्कृति पर ज्यादा जोर देते आ रहे हैं। नई पीढ़ी को वे विशेषरूप से सांग, रिचवल, चौपाल, नृत्य को विशेष तवज्जो एवं फुलझड़ी एवं बिंदरवाल बनाना जैसी विधाएं सिखा रहे हैं।

प्रकाशित पुस्तकें

डा. अशोक कुमार अत्री की प्रकाशित प्रमुख पुस्तकों में कविता संग्रह 'दिल चाहता कुछ बताना था' और 'आ अब लौट चलें प्रकृति की ओर', कहानी संग्रह 'फिर सुबह' के अलावा पुस्तक 'भारत एवं मध्य एशिया के गणराज्य' हैं। जबकि उनकी दो कृति यानी रचना 'ये कौन छायाकार है' और एवं 'यात्रा वृत्तांत' प्रकाशनाधीन है। उनके साहित्य में हरियाणवी संस्कृति के अनछुए पहलूओं को महत्व दिया गया है। वहीं उनकी महात्मा गांधी के दर्शन पर आधारित कविता 'गांधी अकेला' भी सुर्खियों में रही है।

डा. अशोक कुमार अत्री

पुरस्कार व सम्मान

साहित्यकार डा. अशोक अत्री को हरियाणा साहित्य अकादमी ने उनकी पुस्तक के लिए प्रकाशन प्रोत्साहन के लिए नकद राशि दी है, तो वहीं उन्हें साहित्य सभा कैथल से बीबी भारद्वाज समृति सम्मान, हरियाणा संस्कृत अकादमी से प्रशस्ति पत्र, अग्रवाल सभा कैथल से साहित्य सम्मान, डीएवी महाविद्यालय करनाल से सांग विधा के प्रचार प्रसार के लिए सम्मान जैसे अनेक पुरस्कार व सम्मान से नवाजा गया है।

व्यक्तिगत परिचय

नाम : डा. अशोक कुमार अत्री
जन्मतिथि : 09 जनवरी 1974
जन्म स्थान : गांव ऐंचरा खूर्द, जींद (हरियाणा)
शिक्षा : बी.ए, बी.एड. एमए, एम.फिल, पीएच.डी.
संप्रति : असिस्टेंट प्रोफेसर(राजनीतिक शास्त्र), लेखक, साहित्यकार

संस्कृति व आस्था का प्रतिबिंब 'श्री श्याम महिमा'

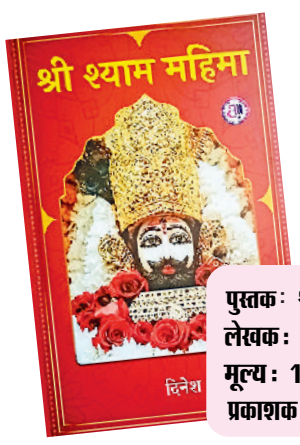

पुस्तक : श्री श्याम महिमा
लेखक : दिनेश शर्मा 'दिनेश'
मूल्य : 160 रुपये
प्रकाशक : अद्विक पब्लिकेशन

पुस्तक समीक्षा
ललित शर्मा

श्री श्याम महिमा दिनेश शर्मा 'दिनेश' द्वारा लिखित एक उत्कृष्ट पुस्तक है जो भारतीय संस्कृति, सभ्यता और धार्मिक आस्थाओं का संपूर्ण परिचय प्रस्तुत करती है। इस पुस्तक में न केवल भारत की धार्मिक धरोहरों का विस्तार से वर्णन किया गया है, बल्कि श्री श्याम के आध्यात्मिक महत्व पर भी प्रकाश डाला गया है। अपनी गहन अध्ययनशीलता और संवेदनशीलता के साथ लेखक ने इस कृति को तैयार किया है, जो न केवल भक्तों के लिए प्रेरणादायक है, बल्कि सामान्य पाठकों के लिए भी उपयोगी है। पुस्तक में कुल छह खंड हैं, जो विभिन्न पहलुओं पर आधारित हैं।

भारत एक परिचय - इस खंड में लेखक ने भारत की भौगोलिक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक झलक प्रस्तुत की है। यह खंड भारत की विविधता, उसकी एकता और समृद्ध इतिहास का संक्षिप्त विवरण देता है।

सभ्यता संस्कृति और भारत - इस खंड में लेखक ने भारत की प्राचीन सभ्यता, संस्कृति और उसके मूल्यों पर विचार किया है। भारत की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा, जिसमें विविध संस्कृतियों और धर्मों का समावेश है, का प्रभावी चित्रण किया गया है।

भारत के पवित्र तीर्थ एवं धाम - यह खंड विशेष रूप से तीर्थों और भारत के पवित्र स्थलों पर केंद्रित है। यहाँ लेखक ने भारत के विभिन्न तीर्थस्थलों की पवित्रता और उनके धार्मिक महत्व का वर्णन किया है। पुस्तक का यह हिस्सा पाठकों को भारत के धामों की यात्रा करवाता है।

ऐतिहासिक संदर्भों में श्री श्याम - इस खंड में श्री श्याम जी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर प्रकाश डाला है। ऐतिहासिक स्रोतों और ग्रंथों के माध्यम से श्री श्याम जी के अस्तित्व और उनके योगदान का विवेचन किया गया है।

लौकिक संदर्भों में श्री श्याम - इसमें लेखक ने श्री श्याम जी के लौकिक जीवन, उनके विचारों और कर्मों के प्रति समाज में फैले विश्वास का वर्णन किया गया है।

सुप्रसिद्ध श्री श्याम तीर्थ - यह खंड विशेषकर हरियाणा के श्री श्याम के प्रसिद्ध तीर्थ स्थलों पर केंद्रित है। लेखक ने उन स्थलों का विशेष विवरण दिया है।

कुल मिलाकर, यह पुस्तक भारतीय संस्कृति और धार्मिक आस्थाओं को समझने के लिए एक आदर्श कृति है। यह पुस्तक निश्चित रूप से उन सभी पाठकों के लिए लाभकारी होगी जो भारतीय धार्मिक परंपराओं और श्री श्याम जी के आध्यात्मिक महत्व को गहराई से समझना चाहते हैं। लेखक दिनेश शर्मा को उनके इस महत्वपूर्ण कार्य के लिए ढेर सारी शुभकामनाएं।

खबर संक्षेप

मंदिर से लोहे के गार्डर चोरी, केस दर्ज

बावल। मुकुंदपुर बसई में चोर एक मंदिर से लोहे के गार्डर व अन्य सामान चोरी कर ले गए। एक युवक को चोरी करते हुए देखने के बाद उसका वीडियो बनाया गया। गांव की पंचायत के बाद युवक और उसके साथियों के खिलाफ चोरी का केस दर्ज कराया गया है। कसोला पुलिस ने आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास शुरू कर दिए। पुलिस शिकायत में महेंद्र ने बताया कि वह मंदिर के पीछे बनी अपनी डेयरी में गांव के ही जसवंत के साथ बैठा हुआ था। इसी दौरान गांव का पंकज मंदिर की दीवार से दूसरी ओर गिराकर गार्डर ले जाने लगा। उसने वीडियो बनाते हुए गार्डर वापस मंदिर में रखवाया। इसके बाद गांव की एक पंचायत हुई। पंचायत में मंदिर प्रबंधन ने जानकारी दी कि मंदिर से गार्डर के साथ-साथ लोहे के पाइप, टीन व काफी अन्य सामान चोरी हुआ है। ग्रामीणों ने संदेह जताया कि चोरी को पंकज व उसके साथियों ने अंजाम दिया है। इसके बाद सरपंच ने पुलिस को फोन किया। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंच गई। मुआयना करने के बाद पुलिस ने चोरी का केस दर्ज कर लिया।

मोबाइल फोन ठीक कराने आए, फोन लेकर फरार

रेवाड़ी। गांधी चौक पर एक मोबाइल शॉप पर फोन रिपेयर कराने के लिए आए दो युवक दुकानदार का मोबाइल फोन लेकर फरार हो गए। सीसीटीवी कैमरे की फुटेज देखने पर युवक मोबाइल चोरी करते हुए नजर आए। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज करने के बाद उनकी तलाश शुरू कर दी। पुलिस शिकायत में गांधी नगर निवासी जितेंद्र ने बताया कि उसने गांधी चौक पर मोबाइल सेल व रिपेयर की दुकान की हुई है। उसकी दुकान पर 10 अप्रैल को एक युवक मोबाइल फोन रिपेयर कराने के लिए आया था। उसने फोन में टच स्क्रिन डलवाने के बाद 6 हजार रुपये नकद दिए थे, जबकि 200 रुपये का भुगतान फोन-पे से किया था। जितेंद्र ने बताया कि युवक शनिवार को एक अन्य युवक के साथ उसकी दुकान पर आया। उसने फोन दोबारा से ठीक करने को कहा। इसके बाद दोनों युवक वहां से चले गए।

जिसमें सभी वर्गों के उत्थान के समान अवसर: लक्ष्मण

भारत रत्न डा. भीमराव अंबेडकर ने देश को एक ऐसा संविधान प्रदान किया

- अंबेडकर ने देश को दुनिया का सर्वश्रेष्ठ संविधान देने का कार्य किया है
- देश के संविधान में सभी वर्गों के हित समाहित व सुरक्षित हैं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

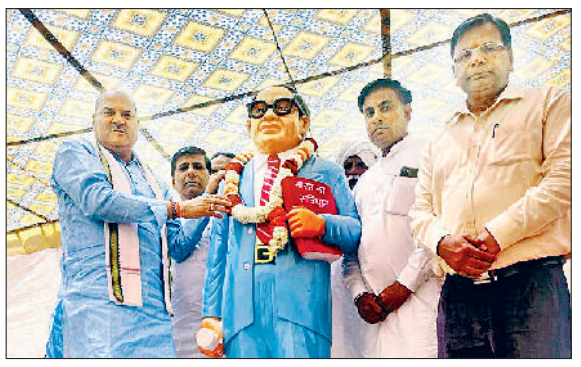

रेवाड़ी। डा. भीमराव अंबेडकर को श्रृद्धांजलि अर्पित करती वंदना पोपली तथा डा. भीमराव अंबेडकर को श्रृद्धांजलि अर्पित करते विधायक लक्ष्मण यादव।

विधायक लक्ष्मण सिंह यादव ने कहा कि भारत रत्न संविधान निर्माता डा. भीमराव अंबेडकर ने देश को एक ऐसा संविधान प्रदान किया, जिसमें सभी वर्गों के उत्थान के समान अवसर प्रदान किए हैं। डा. अंबेडकर ने देश को दुनिया का सर्वश्रेष्ठ संविधान देने का कार्य किया है। देश के संविधान में सभी वर्गों के हित समाहित व सुरक्षित हैं। विधायक रविवार को गांव बैरियावास में डा. भीमराव अंबेडकर जयंती समारोह को बतौर मुख्य अतिथि शिरकत कर रहे थे। इससे पूर्व उन्होंने बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया। इस मौके पर भंडारे का भी आयोजन किया गया। विधायक यादव ने कहा कि डा. भीमराव अंबेडकर ने अपना सारा जीवन दबे-कुचले, गरीब, जरूरमंत, पिछड़ों को उनके अधिकार दिलाने में लगा दिया। उनका मानना था कि देश में सभी व्यक्तियों को आगे बढ़ने तथा विकास के समान अवसर प्रदान होने चाहिए। सभी को समानता का अधिकार उन्हीं की देन हैं। डा. अंबेडकर स्वतंत्र भारत के प्रथम कानून मंत्री, अधिवक्ता, समाज सुधारक तथा कुशल राजनीतिज्ञ थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में केंद्र व प्रदेश सरकार उनके दिखाए हुए मार्गों पर चलकर आमजन की सेवा को ध्येय मानकर विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाएं क्रियान्वित कर रही है। इस मौके पर ग्राम पंचायत की ओर से विधायक को मांगपत्र भी सौंपा गया। इस मौके पर गांव बैरियावास के सरपंच चंद्रकांत, शहबाजपुर खालसा के सरपंच मनोज, माजरा गुरदास के सरपंच विक्रम, कालाका के सरपंच देवेंद्र, संगवाड़ी के सरपंच रामसिंह छावड़ी, हरदयाल, जेई जोगेंद्र, रतनलाल, किशनलाल, बस्तीराम, बीरसिंह छावड़ी, मंडल अध्यक्ष नवीन व राजेंद्र पटेल समेत काफी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता एवं ग्रामीण मौजूद थे।

बाबा साहेब को भाजपा ने दिया सच्चा सम्मान : वंदना

संविधान शिल्पकार डा. भीमराव अंबेडकर जयंती की पूर्व संध्या पर जिले में स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। भाजपा के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ जिला अध्यक्षा डा. वंदना पोपली ने भी गांव बीकानेर, गोकालगढ़ और बावल में डा. अंबेडकर की प्रतिमा व परिसर की सफाई कर उन्हे माल्यार्पण करके नमन किया। इस मौके पर जिला अध्यक्षा पोपली ने कहा कि भाजपा ही एकमात्र ऐसी पार्टी है, जिसने बाबा साहेब को सच्चा सम्मान दिया है। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार गरीबों, वंचितों और दलितों के हितों के लिए लगातार कार्य कर रही है। शाम को पूरे जिले में बाबा साहेब की प्रतिमा परिसर में दीपोत्सव कार्यक्रम भी किया गया। कार्यक्रम में बावल विधायक डा. कृष्ण कुमार भी मौजूद थे। इस अवसर पर विधायक ने कहा कि संविधान शिल्पी बाबा साहेब की जयंती से पूर्व प्रतिमा परिसर की सफाई करना उत्सव की तरह ही है। उन्होंने कहा कि डा. अंबेडकर का जीवन सिर्फ शिक्षा या संविधान तक सीमित नहीं था, वह एक सामाजिक क्रांतिकारी थे। उन्होंने जीवनभर छुआछूत, जातिवाद और सामाजिक भेदभाव के खिलाफ लड़ाई में हिस्सा लिया। इस मौके पर जिला संयोजक जितेंद्र वाल्मीकि, सहसंयोजक संजय खटीक, नगर पालिका के उप प्रधान अर्जुन चौकन व अनिल रायपुर तथा बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

रेवाड़ी। डा. भीमराव अंबेडकर को श्रृद्धांजलि अर्पित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

डा. भीमराव अंबेडकर के सिद्धांतों ने बनाया मजबूत लोकतंत्र: कुलसचिव

- अंबेडकर के सिद्धांतों ने राष्ट्र का मजबूत लोकतंत्र बनाया है
- अंबेडकर जयंती पर राज्य स्तरीय पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित कराई जाएगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर में रविवार को भारतीय संविधान के निर्माता भारत रत्न डा. भीमराव अंबेडकर की जयंती मनाई गई। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रोफेसर दिलबाग सिंह ने डा. भीमराव अंबेडकर के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

उन्होंने कहा कि डा. भीमराव अंबेडकर ने भारतीय समाज को एकजुटता, समानता, न्याय और शिक्षा के क्षेत्र में समान देखने के लिए अनेकों सामाजिक कार्य किए। उन्होंने कहा कि डा. अंबेडकर के सिद्धांतों ने राष्ट का मजबूत लोकतंत्र बनाया है। कुलसचिव ने सभी विद्यार्थियों से अंबेडकर के जीवन संघर्षों से प्रेरणा लेते हुए उनके आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का आह्वान किया।

अधिष्ठाता छात्र कल्याण विभाग प्रोफेसर करण सिंह ने सभी विद्यार्थियों को कड़ी मेहनत के साथ शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा डा. भीमराव अंबेडकर जयंती पर राज्य स्तरीय पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित कराई जाएगी, जिसमें ई-डिजिटल पोस्टर एवं हैंडमेड पोस्टर केटैगरी रखी गई है।

प्रतिभागी अपनी ऑनलाइन माध्यम से एंट्री कर सकते है। सभी प्रतिभागियों एवं विजेताओं को ई-सर्टिफिकेट प्रदान किए जाएंगे। इस अवसर पर डा. ललित कुमार, डा. सतीश कुमार, अजीत, एनएसएस से राकेश, पीयूष, कुलदीप व हनुमंत सहित सभी शिक्षक, गैर-शिक्षक कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

30 को मनाई जाएगी भगवान परशुराम जयंती

बैठक में भगवान श्रीपरशुराम जयंती मनाए जाने एवं सभा के एजेंडों पर विचार-विमर्श किया गया। 29 अप्रैल को प्रात: 6 बजे शहर में प्रभात फेरी निकाली जाएगी तथा 30 अप्रैल को प्रात: 8 बजे हवन किया जाएगा।

हरिभूमि न्यूज. रेवाड़ी

रेवाड़ी। बैठक में उपस्थित ब्राह्मण सभा के पदाधिकारी। फोटो : हरिभूमि

रविवार को ब्रह्मगढ़ परिसर में ब्राह्मण सभा के पदाधिकारियों व कार्यकारिणी सदस्यों की बैठक सभा के प्रधान चंद्रशेखर गौतम की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में भगवान श्रीपरशुराम जयंती मनाए जाने एवं सभा के एजेंडों पर विचार-विमर्श किया गया। सभा प्रधान चंद्रशेखर गौतम ने कहा कि 30 अप्रैल को भगवान श्रीपरशुराम जयंती धूमधाम से मनाई जाएगी। 29 अप्रैल को प्रातः 6 बजे शहर में प्रभात फेरी निकाली जाएगी तथा 30 अप्रैल को प्रातः 8 बजे हवन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि ब्राह्मण समाज के कार्यक्रमों में युवाओं को आगे लाने के लिए 27 अप्रैल को सुबह 9 बजे से युवा कार्यकर्ता सम्मलेन का आयोजन भी किया जाएगा। सम्मेलन को लेकर सभा के महासचिव जयकुमार कौशिक, उपप्रधान दीपक मुदगिल, प्रेस सचिव रमेश वशिष्ठ, कार्यालय मंत्री महेश वशिष्ठ, कार्यकारिणी सदस्य मनीष जोशी व पूर्व युवा संगठन प्रधान कपीस शर्मा को जिम्मेदारी सौंपी गई है। बैठक में सभा के उपप्रधान दीपक मुद्गिल एडवोकेट, महासचिव जयकुमार कौशिक, कोषाध्यक्ष खुशहाल शर्मा, मैनेजर हेमन्त भारद्वाज, प्रेस सचिव रमेश वशिष्ठ, कार्यालय मंत्री दिनेश वशिष्ठ, महेश वशिष्ठ, कार्यकारिणी सदस्य भूपेंद्र भारद्वाज, जितेंद्र तिवाड़ी, दीपक शर्मा, सुरेश शर्मा, सुभाष शर्मा, सुरेंद्र शर्मा, सुनील शर्मा, प्रकाश चंद भारद्वाज व मनोज वशिष्ठ उपस्थित थे।

पोषण पखवाड़े के तहत महिलाओं को स्वास्थ्य के प्रति किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज. नाहड़

रेवाड़ी। महिलाओं को जानकारी देते हुए सुपरवाइजर।

महिला एवं बाल विकास विभाग नाहड़ की ओर से रविवार को सुपरवाइजर उगंता की अगुवाई में गांव नाहड़ में पोषण पखवाड़े का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महिलाओं को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया तथा बेटी बचाओ बेटी पढाओ का संदेश दिया गया।

जिले में 22 अप्रैल तक पोषण पखवाड़ा मनाया जा रहा है, जिसका उद्देश्य गर्भवती महिलाओं, स्तनपान करने वाली माताओं, किशोरियों और 6 वर्ष तक के बच्चों को कुपोषण से मुक्त करना है।

इस अवसर पर सुपरवाइजर उगंता ने पोषण एवं स्तनपान के बारे में जानकारी दी। महिलाओं को संतुलित एवं पोष्टिक आहार, समय पर आंगनबाड़ी केंद्र में रजिस्ट्रेशन कराने व टीकाकरण के बारे में बताया गया। इसके अलावा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के प्रति महिलाओं को जागरूक किया गया। उन्होंने कहा कि आज बेटियां बेटों से कंधा से कंधा मिलाकर चल रही हैं। वे किसी भी क्षेत्र में बेटों से कम नहीं हैं। हमें बेटियों का सम्मान करना चाहिए। महिलाओं को बाल विवाह को रोकने व लोगों को जागरूक करने की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर आंगनबाड़ी वर्कर ममता, कैलाश, सुनीता व हेल्पर संजू सहित अनेक महिलाएं उपस्थित रही।

देवी-देवताओं की पूजा अर्चना से भक्ति की भावना पैदा होती: जिला प्रमुख

- गांव खोरी के रामलीला ग्राउंड में शनिवार रात्रि मां दुर्गा के जागरण का आयोजन किया गया

हरिभूमि न्यूज. कुंड

रेवाड़ी। जिला प्रमुख को स्मृति चिंह भेंट करते आयोजक। फोटो : हरिभूमि

गांव खोरी के रामलीला ग्राउंड में शनिवार रात्रि मां दुर्गा के जागरण का आयोजन किया गया। मुख्यातिथि जिला प्रमुख मनोज यादव ने दीप प्रज्जवलित करके और दुर्गा मां को माल्यार्पण कर जागरण का शुभारंभ किया। गांव खोरी में पिछले 19 वर्षों से नव युवा दुर्गा मंडल ओर से जागरण और भंडारे का आयोजन किया जा रहा है। इस मौके पर भंडारे का आयोजन भी किया गया। इस मौके पर जिला प्रमुख ने कहा कि दुर्गा पूजा से न केवल हमारे मन में शक्ति का संचार होता है, अपितु लक्ष्मी जी की कृपा भी बनी रहती है। देवी- देवताओं की पूजा अर्चना से मन में भक्ति की भावना पैदा होती है और सनातन का प्रचार होता है। दुर्गा मां को हम शक्ति के रूप में पूजते हैं, इससे मनुष्य न केवल मजबूत बनता है, बल्कि उसे अलोकिक शक्ति भी मिलती है। सभी को अपने-अपने इष्ट देव और मां दुर्गा का पूजन अवश्य करना चाहिए। मां दुर्गा नारी शक्ति का प्रतीक है, इससे महिलाओं और युवतियों तथा कन्याओं के प्रति सम्मान भी उत्पन्न होता है। जागरण में भजन गायकों ने माता की महिमा का गुणगान किया तथा कलाकारों ने माता की मनमोहन झांकियां पेश की। आयोजकों ने जिला प्रमुख का स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया। इस मौके पर नव युवा दुर्गा मंडल के प्रधान लोकेश दत्त, जय भगवान गुप्ता, राहुल गुप्ता, सुशील चौधरी, मास्टर गोविंद राम, सरपंच प्रतिनिधि सत्यवीर चौधरी, नानेश शर्मा, राजकुमार गुल्यानी, सोनू गुल्यानी, संदीप चौटाला, नवीन गोयल, बंटी शर्मा व नवीन शर्मा सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद थे।

संजय पहलवान ने जीती 51 हजार की कुश्ती

धारूहेड़ा। नंदरामपुर बास गांव में बाबा बिशनदास महाराज के एक दिवसीय मेले का आयोजन किया गया। इस अवसर पर धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। प्रातः हवन के बाद भंडारे का आयोजन किया गया। रात्रि को बाबा के मंदिर में भजन-कीर्तन किए गए। मेले कमेटी की ओर से इनामी कुश्ती दंगल का आयोजन किया गया, जिसमें 51000 हजार रुपए की इनामी कुश्ती संजय पहलवान गुरु रामकिशन अखाड़ा मोकलवास व सलीम पहलवान के बीच हुई। कुश्ती में संजय पहलवान ने जीत दर्ज की। इस अवसर पर अनुपम, जिला पार्षद निरंजन पटवारी, समाजसेवी वीरेंद्र यादव, सरपंच गौरव मीणा, सरपंच विकास खरखड़ा, सरपंच शादीराम ततारपुर खालसा, राजबीर आदि रहे।

गांव हरचंदपुर में अंबेडकर जयंती मनाई

बावल। रविवार को डा. भीमराव अंबेडकर जयंती की पूर्व संध्या पर गांव हरचंदपुर में समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री डा. बनवारी लाल ने डा. अंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर नमन किया। इस मौके पर अमरजीत सिंह पूर्व बीजेपी अध्यक्ष बावल, दिलेर सरपंच गांव टांकड़ी, भागमल पूर्व सरपंच आसरा का माजरा, भरत सिंह हरचंदपुर, जगदीश हेड मास्टर, साहिल कटारिया, विजय सिंह, महेश, कैलाश, पुष्प कुमार अध्यक्ष बीजेपी एससी मोर्चा बावल, दीपक, दौलत एक्स पंच हरचंदपुर, कूड़ेराम, भगत सिंह व राजनारायण जाटव प्रधान अंबेडकर सेवा समिति गांव हरचंदपुर सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे।

187 लोगों ने उठाया स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ

रेवाड़ी। यादव कल्याण सभा की ओर से रविवार को गढ़ी बोलनी रोड स्थित श्री कृष्ण भवन में निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। डॉक्टरों की टीम ने शिविर में 187 मरीजों को स्वास्थ्य संबंधी परामर्श देकर फ्री दवाईयां प्रदान की। कैंप में डा. विक्रम यादव ने मेडिसिन, डा. प्रशांत यादव ने हड्डीरोग, डा. प्रद्युम्न यादव ने सर्जरी मूत्ररोग, डा. कंचन यादव ने नेत्ररोग व डा. योगेन्द्र यादव ने चर्मरोग के रोगियों को ओपीडी सेवाएं प्रदान की। इसके अलावा लेफ्टिनेंट पूर्ण सिंह यादव ने लोगों को फिजियोथरेपी की सेवाएं दी। शिविर के आयोजन में सभा के प्रधान रामबीर यादव, डा. यशपाल यादव, जसवंत सिंह यादव, सुरेंद्र सिंह, अमर सिंह, राम सिंह, सभा के प्रवक्ता प्रो. सतीश यादव आदि रहे।

कलश यात्रा निकालकर प्राचीन श्रीमद् भागवत कथा का किया शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज. धारूहेड़ा

धारूहेड़ा के प्राचीन श्री ठाकुरजी मंदिर में रविवार को श्रीमद् भागवत कथा सप्ताह का शुभारंभ किया गया। ठाकुरजी मंदिर ट्रस्ट की ओर से 20 अप्रैल तक चलने वाली श्रीमद् भागवत कथा के शुभारंभ पर कस्बे में कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा ठाकुरजी मंदिर से शुरू होकर कस्बे का भ्रमण करके मंदिर में सम्पन्न हुई। महिलाओं ने सिर पर कलश धारण कर मंगल गीत गाए। कलश यात्रा का अनेक स्थानों पर फूलों से स्वागत किया गया। व्यास स्थल से स्वामी प्रेमानंद गिरी महाराज ने सभी कलश का विधिवत पूजन किया। उन्होंने सभी श्रृद्धालुओं से प्रतिदिन कथा में शामिल होने की अपील की। उन्होंने कहा कि परमात्मा भी अपने सच्चे भक्तों की कद्र करते हैं। ईश्वर की सच्ची भक्ति से परिवार को सुख-समृद्धि प्राप्त होती है।

रेवाड़ी। धारूहेड़ा में कलश यात्रा निकालते हुए श्रृद्धालु। फोटो : हरिभूमि

अभियान कार्यक्रम में एसीबी टीम ने लोगों को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराया

एनसीबी टीम ने चलाया अभियान, लोगों को नशे से दूर रहने के लिए किया जागरूक

- राज्य को नशा मुक्त बनाने के लिए नारकोटिक्स विभाग और हरियाणा सरकार दृढ़ संकल्पित है

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

रेवाड़ी। लोगों का नशे के खिलाफ जागरूक करती टीम। फोटो : हरिभूमि

हरियाणा राज्य नार्कोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो प्रमुख ओपीसिंह के मार्गदर्शन, एसपी पंखुड़ी कुमार के नेतृत्व और डीएसपी गजेंद्र शर्मा की देखरेख में पूरे हरियाणा में नशा तस्करों के खिलाफ कानूनी कार्यवाही के साथ-साथ समाज को नशे के प्रति जागरूक किया जा रहा है। हरियाणा एनसीबी जिला यूनिट की ओर से रविवार को शहर के मोहल्ला कंकरवाली चौक पर मजदूरों व अन्य लोगों को नशे से दूर रहने के लिए जागरूक किया गया। यूनिट के इंचार्ज एसआई बलवंत सिंह ने कहा कि एक जागरूक समाज ही बेहतर भविष्य का निर्माण करता है। युवा पीढ़ी नशे के प्रति सबसे समाज की सबसे सवेदनशील कड़ी है। राज्य को नशा मुक्त बनाने के लिए हरियाणा सरकार और नारकोटिक्स विभाग दृढ़ संकल्पित है। कार्यक्रम के दौरा एसीबी टीम ने लोगों को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराया तथा एनसीबी की अनूठी पहल नशा मुक्त जीवन नायाब जीवन-बेकैट चलेंज की जानकारी दी। टीम ने कहा कि जिस तरह हम अपने घर से गंदा पानी बाहर फेंकते है, उसी तरह हमे नशे को अपने समाज से बाहर फेंकना है। इस पहल का जन संपर्क और सूचना विभाग भी पिछले दिनों प्रचार कर रहा है। एनसीबी टीम ने कहा कि अगर कहीं पर भी नशा बिकता हुआ दिखाई दें तो भारत सरकार के टोल फ्री नंबर 1933, ऑनलाइन शिकायत पोर्टल एनसीबीएमएएनएएस. जीओवी. इन और हरियाणा एनसीबी के टोल फ्री नंबर 90508-91508 पर सूचना दें, ताकि नशा तस्करों को सलाखों के पीछे भेजा जा सके। कार्यक्रम में टीम के एएसआई सुनील कुमार, एएसआई सुरेश कुमार व ईएचसी दीपक मौजूद थे।

सिपाही सुनील ने फोर्थ खेलो मास्टर्स नेशनल गेम्स में जीते तीन मेडल

रेवाड़ी। सिपाही सुनील को सम्मानित करते हुए।

हरिभूमि न्यूज. रेवाड़ी

शहर की मधु विहार कॉलोनी निवासी सिपाही सुनील ने फोर्थ खेलो मास्टर्स नेशनल गेम्स दिल्ली में 3 सिल्वर मेडल जीते है। दिल्ली में फोर्थ खेलो मास्टर्स नेशनल गेम्स का आयोजन 11 से 13 अप्रैल तक किया गया, जिसमें सिपाही सुनील ने 3000 मीटर व 1500 मीटर रनिंग तथा 5000 वॉकिंग रेस में सिल्वर मेडल जीते हैं। सुनील चतुर्थ आईआरबी हरियाणा पुलिस में सिपाही पद पर कार्यरत है। इससे पहले सुनील 45वें ऑल इंडिया मास्टर्स नेशनल गेम्स में मेडल जीत चुका है। उन्होंने आगामी दिनों में होने वाली एशिया मास्टर्स एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई भी कर लिया है। रेवाड़ी पहुंचने पर मुस्लिम सभा के प्रधान मुबीन खान, पप्पू खान, सुल्तान खान, वकील, फिरोज खान, अनिल खान, मुकेश, सलमान, शाहरुख व साहिल ने सिपाही सुनील को सम्मानित किया। इस मौके पर समाज के अनेक लोग मौजूद थे।

सूचना

मै, कृष्ण कुमार पुत्र श्री जगदेव निवासी रेलवे स्टेशन कोसली भाकली-2 तह. कोसली जिला रेवाडी हरियाणा बयान करता हूं कि दसवीं कक्षा में केवीएस भाकली-2 में पढ़ रहे मेरे लड़के सुशांत के स्कूल रिकार्ड में पिता का नाम कृष्ण दर्ज है जबकि मेरा सही व दुरूस्त नाम कृष्ण कुमार है जो कि मेरे अन्य सभी दस्तावेजों में भी दर्ज है। कृष्ण व कृष्ण कुमार दोनों नाम मेरे व एक ही व्यक्ति के हैं।

खबर संक्षेप

खेत में कार्य कर रहे श्रमिक पर हमला

कुंड। थाना खोल पुलिस ने नांधा में एक श्रमिक पर हमला करने के आरोप में गांव के ही युवक के खिलाफ केस दर्ज किया है। अस्पताल में उपचाराधीन मुकेश कुमार ने पुलिस बयान में बताया कि वह खेत में तूड़ा डाल रहा था। इस दौरान गांव के गोविंद ने आकर उस पर जेली से हमला कर दिया। हमले में वह घायल हो गया। खोल सीएचसी में प्राथमिक उपचार के बाद उसे रेवाड़ी रेफर कर दिया गया। पुलिस ने उसके बयान पर केस दर्ज करने के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

घर से सिलाई सीखने गई युवती लापता

धारूहेड़ा। क्षेत्र के एक गांव से घर से सिलाई सीखने के लिए सेंटर पर गई एक 19 वर्षीय युवती लापता हो गई। पुलिस शिकायत में युवती के पिता ने बताया कि उसकी बेटी एक सिलाई सेंटर पर सिलाई कार्य सीखने के लिए जाती है। 10 अप्रैल को भी वह सेंटर जाने के लिए घर से निकली थी। इसके बाद वह वापस नहीं आई। उसने परिजनों के साथ मिलकर बेटी की तलाश शुरू की। रिश्तेदारियों और दूसर स्थानों पर पूछताछ करने के बाद भी उसका कोई पता नहीं चला। सेक्टर-6 थाना पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद युवती की तलाश शुरू कर दी।

मारपीट व धमकी देने का आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। थाना रामपुरा पुलिस ने गत वर्ष मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अस्पताल में उपचाराधीन घायल के बयान 26 जून 2024 को विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। पीड़ित ने दूसरे पक्ष में उसके साथ मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप लगाए थे। पुलिस ने इस मामले में गुरूग्राम के टीकरी निवासी सागर को गिरफ्तार कर लिया। उसे तफ्तीश में शामिल करने के बाद पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

एटीएम बूथ के बाहर खड़ी स्कूटी उड़ाई

धारूहेड़ा। मेन चौक के पास चोर एक एटीएम के बाहर खड़ी स्कूटी चंद मिनट में चोरी कर ले गए। पुलिस शिकायत में खलियावास निवासी रेखा ने बताया कि वह घर से स्कूटी लेकर एटीएम पर पैसे निकलवाने के लिए आई थी। स्कूटी बाहर खड़ी करने के बाद वह एटीएम से पैसे निकलने लग गई।

शहर के सरकुलर रोड सहित मुख्य मार्गों पर दर्जनों सीवर चेंबर क्षतिग्रस्त

शहर की सड़कों पर ऊंचे-नीचे मेनहोल बने आफत विभाग की लापरवाही दे रही हादसों को न्योता

■ काफी सीवर सड़क लेवल से उठे हुए ऊंचे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

शहर की मुख्य सड़कों पर अव्यस्थित मेनहोल वाहन चालकों के लिए आफत बने हुए है। ये मेनहोल खासकर टू-व्हीलर चालकों के लिए परेशानी पैदा कर रहे है। जन स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही हादसों को न्योता दे रही हैं। शहर में नई सड़कें बनाने के समय अन्य विभाग भी सीवर के चेंबरों को व्यवस्थित करने में ध्यान नहीं दे रहे है। शहर के सरकुलर रोड सहित अन्य मुख्य मार्गों पर करीब दो दर्जन से अधिक अधिक मेनहोल के ढक्कन सड़क के लेवल से ऊपर हैं, वही काफी सीवर के चेंबर सड़क में धंसकर गड्ढों में तब्दील हो चुके है। सीवरेज के ढक्कन ऊपर होने व धंसने के कारण प्रतिदिन रात के समय दो-पहिया वाहन चालक चोटिल हो रहे है। शहर की सड़कों पर सीवरेज के रूप में काफी खामियां देखने को मिल रही हैं। बरसात के समय सड़क पर ऊंचे व धंसे हुए सीवर चेंबर नजर नहीं आने की वजह से पिछले वर्षो में कई हादसे हो चुके है। कतुबपुर निवासी पूर्व नगर पार्षद प्रमिला भार्गव का 2014 में सड़क पर पानी जमा होने की वजह से मॉडल टाउन में क्षतिग्रस्त मेनहोल नजर न होने से स्कूटी टकराने से एक्सीडेंट हो गया था, जिससे उनके पैर में फ्रैक्चर हो गया। पिछले दिनों उबड़-खाबड़ मेनहोल की वजह से शहर में कई लोग शिकार हो चुके है।

रेवाड़ी। नई अनाजमंडी में सड़क लेवल से ऊंचा मेनहोल, सरकुलर रोड पर अग्रसेन लैब के सामने क्षतिग्रस्त सीवर, नारनौल रोड पर सड़क में धंसा सीवर का ढक्कन तथा गोपाल देव चौक के पास सीवर धंसने से हुआ गड्ढा। फोटो : हरिभूमि

शहर में इन स्थानों पर मेनहोल से परेशानी

शहर के सरकुलर रोड पर करीब आधा दर्जन सीवर ऊंचे-नीचे बने हुए है। हरिओम अग्रसेन लैब के सामने, आजाद चौक, धारूहेड़ा चुंगी व गर्ल्स स्कूल के पास सीवर के चेंबर क्षतिग्रस्त हालत में है। इसके अलावा मॉडल टाउन, व सेक्टरों सहित शहर के मोहल्लों में भी सीवर या तो सड़क से ऊंचे है या फिर धंसे हुए है। नारनौल रोड पर नाईवाली पुल से गोपाल देव चौक के एक तरफा मार्ग पर करीब आधा दर्जन सीवर ऊंचे व सड़क में धंसे हुए है, जिनसे वाहन चालकों को हमेशा अनहोनी होने का डर बना रहता है। शहर की नई अनाजमंडी में भी कई सीवर सड़क लेवल से आधे से एक फीट तक ऊंचे बने हुए है।

रेवाड़ी। सरकुलर रोड पर धंसा हुआ सीवर का ढक्कन। फोटो : हरिभूमि

टू-व्हीलर चालकों को हमेशा रहता हादसे का डर

शहर के मुख्य मार्गों सहित कॉलोनियों व मोहल्लों की गलियों में काफी सीवर के चेंबर सड़क के लेवल में नहीं है। सीवरों की कही अधिक ऊंचाई व कहीं पर नीचे बना दिए गए है। सीवर चेंबर सड़क लेवल से ऊंचा होने के कारण दोपहिया वाहन चालक इससे टकराकर चोटिल हो जाते है। लोगों की ओर से बार-बार सीवरेज के ढक्कनों की ठीक कराने की मांग उठाई जा चुकी हैं, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हो रहा है। सड़क के नीचे बिछी सीवरेज लाइन के ढक्कन या तो सड़क लेवल से काफी ऊपर हैं या बहुत नीच है। इसके अलावा काफी सीवर चेंबर क्षतिग्रस्त हालत में भी है। ऊंचे-नीचे सीवरेज की वजह से तेज गति से गुजरते वाहनों के पहिए टकराने से हमेशा हादसे की संभावना बनी रहती है।

सड़क के लेवल में बनाए गए सीवर

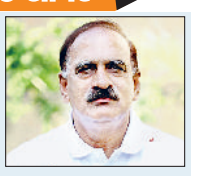

नारनौल रोड पर करीब आधा दर्जन सीवर के चेंबर ऊंचे-नीचे है। इन मेनहोल की वजह से आए दिन दो-पहिया वाहन चालक चोटिल हो रहे है। प्रशासन को चाहिए की लोगों की सुरक्षा के लिए अव्यवस्थित मेनहोल को ठीक करके सड़क के लेवल में बनाए ताकि हादसों को रोका जा सकें।

- **प्रदीप भार्गव**, समाजसेवी, रेवाड़ी।

विभाग निरीक्षण करके दुरुस्त करें मेनहोल

शहर के सरकुलर रोड सहित मोहल्लों में काफी सीवर क्षतिग्रस्त हो गए है तथा कई सीवरों के ढक्कन सड़क में धंस चुके है, जिससे हमेशा हादसे का डर बना रहता है। विभाग को शहर का निरीक्षण करके सीवर चेंबरों की मरम्मत करके दुरुस्त करना चाहिए ताकि सड़कों से गुजरने वाले लोगों को सुरक्षित सफर मिल सकें।

- **प्रमिला भार्गव**, पूर्व नगर पार्षद, रेवाड़ी।

गर्मी के मौसम में सुबह ध्यान का अभ्यास करना मस्तिष्क को शांत रखने में उपयोगी: डा. बलबीर

■ गर्मी में फ्रिज की जगह मटके के पानी का सेवन करें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

हमारा परिवार संस्था की ओर से रविवार को प्रजाबी धर्मशाला में गर्मी के मौसम में स्वस्थ्य रहने के लिए स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि आईएमए के पूर्व प्रधान डा. दीपक यादव, नई दिशा युवा मंच के जिला प्रधान एडवोकेट निशांत यादव व संस्था के संयोजक दिनेश कपूर ने कहा कि नित्य क्रिया में थोड़ा सा परिवर्तन करके गर्मी के मौसम में स्वस्थ जीवन का आनंद ले सकते हैं। दोपहर के समय बाहर से आने पर एक गिलास ताजा पानी में आधी चम्मच शहद और सेंधा नमक डालकर सेवन करने से शरीर को ऊर्जा मिलेगी। साथ ही गर्मी के मौसम में रोग प्रतिरोधात्मक शक्ति बढ़ेगी। गर्मी में फ्रिज की जगह मटके के पानी का सेवन करें। गर्मी के मौसम में तरबूज का नित्य सेवन लू से बचने का उत्तम उपाय है। प्रातःकाल उठकर नियमित शीतली-शीतकारी प्राणायाम करने से ठंडक का एहसास होता है। विश्व हिंदू परिषद के जिला उपाध्यक्ष नरेंद्र जोशी, जिला मंत्री राजकुमार यादव, गुरु तेग बहादुर शहीदी जत्थे के संयोजक सरदार कश्मीर सिंह व शिक्षाविद डा. बलबीर अग्रवाल ने कहा कि गर्मी के मौसम में प्रातः काल किसी खुले स्थान में ध्यान का अभ्यास करना मस्तिष्क को शांत रखने में बहुत उपयोगी रहता है। शांत चित्त के लिए नाड़ी शोधन प्राणायाम, अनुलोम विलोम का अभ्यास विशेष लाभदायक रहता है। अखिल भारतीय साहित्य परिषद की जिला अध्यक्षा श्रुति शर्मा व महिला प्रधान निशा सीकरी ने कहा कि गर्मी के मौसम में सिंथेटिक वस्त्रों की जगह सूती कपड़ों के इस्तेमाल से त्वचा स्वस्थ रहती है। तेज धूप के समय यथासंभव बाहर न निकले। कार्यक्रम में संयोजक दिनेश कपूर ने सभी को शीतली-शीतकारी प्राणायाम का अभ्यास कराया। अतिथियों को राम दरबार, गोपाल कृष्ण, भारत माता व शिव परिवार के चित्र भेंट किए गए। कार्यक्रम में प्राचार्य राजेंद्र सिंह यादव, समाजसेवी राजेंद्र गेरा, कपिल कपूर, ओजस्वी, पूर्वांशी, प्रीति, सोनिया कपूर, सुदर्शन मेहंदीरत्ता, हिमांशु पिपलानी, ओमवीर शास्त्री व सुनीता आर्य सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद थे।

रेवाड़ी। कार्यक्रम में अतिथियों का सम्मान करते हुए आयोजक। फोटो : हरिभूमि

इच्छापूर्ण चोले वाले हनुमान मंदिर में बाबा के भजनों पर झूमे श्रृद्धालु

■ कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि विधायक लक्ष्मण सिंह यादव ने शिरकत की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

सेक्टर-1 सोलहराही स्थित प्राचीन इच्छापूर्ण चोले वाले हनुमान मंदिर में शनिवार रात्रि सुंदरकांड पाठ व भंडारे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि विधायक लक्ष्मण सिंह यादव ने शिरकत की। सुंदरकांड पाठ के मुख्य यजमान दंपत्ति योगराज सोनी व किरण सोनी तथा सत्यांश शर्मा व सीमा शर्मा थे। मंदिर के पुजारी पंडित बिजेंद्र भारद्वाज बालाजी धाम वाले ने पूजा-अर्चना कराकर सुंदरकांड पाठ का शुभारंभ किया। इस मौके पर भजन-संध्या का भी आयोजन किया गया। गायक कर्मवीर फौजी, गोपाल वर्मा व मिंटो मस्ताना ने मनमोहक भजनों के माध्यम से हनुमान जी व श्री श्याम बाबा की महिमा का गुणगान किया। भजनों में श्रृद्धालु नांचते व झूमते नजर आए। कार्यक्रम में आयोजित भंडारे में सैकडों श्रृद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। मंदिर के संस्थापक व राष्ट्रीय व्यापार सेवा संघ के अध्यक्ष एडवोकेट भूपेन्द्र सिंह गुप्ता ने बताया कि मंदिर में 20वें सुंदरकांड पाठ व भंडारे का आयोजन किया गया। मंदिर में धार्मिक आयोजन सभी भक्तों के सहयोग से प्रति माह किए जाते है। इस मौके पर राष्ट्रीय व्यापार सेवा संघ के महासचिव सुरेंद्र वशिष्ठ, भाजपा नेता दीपक मंगला, बिल्लू पोसवाल, नगर पार्षद राजेंद्र सिंघल, नगर पार्षद मोनिका यादव, सेक्टर एक रेजीडेंट वेल्फेयर एसोसिएशन के प्रधान रविन्द्र यादव, विकास यादव एडवोकेट, अतुल गुप्ता, एडवोकेट प्रतीक शर्मा, केशव, निशा, राजू आदि मौजूद रहे।

रेवाड़ी। धार्मिक आयोजन में लोगों को संबोधित करते विधायक लक्ष्मण यादव।

रेवाड़ी। गोकल विहार कॉलोनी में एकमकान में जुआ खेलते पकड़े गए आरोपी। फोटो : हरिभूमि

मकान में जुआ खेलते 16 आरोपी गिरफ्तार, 1.19 लाख रुपये बरामद, चार गाड़ियां भी की गई जब्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

थाना सदा पुलिस ने गोकल विहार कॉलोनी में एक मकान में ताश के रूप में जुआ खेल रहे 16 आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपियों के कब्जे से ताश के पत्ते व लगभग 1.19 लाख रुपये बरामद किए गए हैं। चार गाड़ियों को भी पुलिस ने कब्जे में लिया है। आरोपियों के खिलाफ जुआ अधिनियम और संगठित अपराध की धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया है।

पुलिस को सूचना मिली थी कि कॉलोनी के एक मकान में बड़ी संख्या में लोग ताश के रूप में जुआ खेल रहे हैं। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने रेडिंग पार्टी तैयार करने के बाद मकान पर दबिश दी। वहां 16 लोग जुआ खेलते पाए गए। कुछ लोगों ने पुलिस को देखकर भागने का प्रयास किया, परंतु सभी को मौके पर ही दबोच लिया गया। आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने जुए की 18940 रुपये राशि बरामद की है। ताश के पत्तों के साथ-साथ पुलिस ने तीन स्कॉर्पियो व एक टियागो कार भी कब्जे में ली है। पुलिस ने सभी आरोपियों को मौके पर ही गिरफ्तार करने के बाद उनके खिलाफ केस दर्ज कर लिया।

इन आरोपियों को किया गया गिरफ्तार

जिन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है, उनमें गोकलगढ़ निवासी सुनील, मामड़िया आसमपुर निवासी सत्यनारायण, मंजीत, साहिल, खरसानकी निवासी नरेंद्र, गोकलगढ़ में फार्म हाउस पर रहने वाले नेपाल निवासी गोविंद, खेड़ा आलमपुर निवासी नरबीर, गोकलगढ़ निवासी राहुल, अजय, जयसिंह, खरसानकी निवासी शशिकांत, विजय नगर निवासी संजीव, लाला निवासी पवन व आशियाकी गौरावास निवासी संदीप शामिल हैं।

एनएसीसी कैडेट्स ने युवा शक्ति-विकसित भारत थीम पर लिखे स्लोगन

रेवाड़ी। सेक्टर-18 स्थित प्रथम महिला शिक्षिका माता सावित्रीबाई फुले राजकीय कन्या महाविद्यालय में एनसीसी इकाई की ओर से स्लोगन मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। मेरा युवा भारत कार्यक्रम के अंतर्गत हुई प्रतियोगिता की थीम युवा शक्ति-विकसित भारत थी। प्रतियोगिता में एनसीसी विंग की 35 कैडेट्स ने भाग लिया और सुंदर व प्रशंसनीय स्लोगन प्रस्तुत किए। इस अवसर पर कॉलेज की प्राचार्या डा. ज्योति यादव ने भारत सरकार की थीम युवा शक्ति विकसित भारत पर प्रकाश डालते हुए एनसीसी कैडेट्स को प्रोत्साहित किया। एनसीसी इंचार्ज ज्योति यादव ने बताया कि स्लोगन मेकिंग प्रतियोगिता के सर्वश्रेष्ठ स्लोगन निधि यादव, पायल तथा आशा के थे। प्रचार्या व स्टाफ ने विजेता कैडेट्स को सम्मानित किया।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
रेवाड़ी कार्यालय : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, सेक्टर-1 वाला कच्चा रास्ता, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी सम्पर्क करें: 8053076211, 8295738500, 9253681005

अग्रवाल वैश्य समाज की ओर से सुंदरकांड पाठ 27 को

रेवाड़ी। अग्रवाल वैश्य समाज की ओर से आगामी 27 अप्रैल को सेक्टर-1 सोलहराही स्थित पंचमुखी-दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर में दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया जाएगा। जिला अध्यक्ष नवीन सिंघल ने बताया कि कार्यक्रम में अग्रवाल वैश्य समाज की महिला प्रदेश अध्यक्ष सुशीला सर्राफ और चरखी दादरी की महिला टीम शिरकत करेगी। कार्यक्रम अग्रवाल वैश्य समाज रेवाड़ी की महिला विधानसभा अध्यक्ष सुनीता अग्रवाल, महिला विधानसभा उपाध्यक्ष रेखा अग्रवाल व महिला सचिव सपना कुमारी अग्रवाल सहित पूरी टीम मौजूद रहेगी। जिला अध्यक्ष नवीन सिंघल ने वैश्य समाज के सभी घटकों के लोगों से आयोजन में शामिल होने का आग्रह किया है।

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 1500/- रु. 2000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
रेवाड़ी : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी फोन : 9653537253, 9671434260

मौसम रात के तापमान में भी होने लगी वृद्धि, पांच दिन तक साफ रहेगा मौसम

आसमान साफ होते ही चढ़ने लगा पारा इस सप्ताह फिर पसीने छुड़ाएगी गर्मी

आगामी मंगलवार से मंडियों में सरसों और गेहूं दोनों की आवक बढ़ने की संभावना है

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

तीन दिन तक आंधी और हल्की के बरसात के बाद आसमान साफ होते ही गर्मी के तेवर तीखे होने शुरू हो गए हैं। दिन-रात के तापमान में वृद्धि होना शुरू हो गया है। अगले पांच दिन तक आसमान रहने की संभावना है, जिससे तापमान में तेजी से वृद्धि हो सकती है। इस सप्ताह के मध्य तक तापमान एक बार फिर 42 डिग्री सेल्सियस के पार हो सकता है।

इसके बाद हीटवेव का प्रकोप शुरू हो सकता है। रविवार को दिनभर मौसम साफ रहने के बाद अचानक शाम को बरसात के बादल छा गए। बारिश और ओलावृष्टि के बाद तापमान 42 डिग्री सेल्सियस से गिरकर तीन दिन में 34 डिग्री पर आ गया था। इससे लोगों को भारी गर्मी के प्रकोप से निजात मिल गई। इससे पूर्व बीते सप्ताह लोगों को हीटवेव का सामना करना पड़ा था। पश्चिमी विक्षोभ का असर खत्म होने के बाद आसमान साफ हो गया। रविवार को तेज धूप ने दोपहर तक मौसम गर्म बना दिया। अधिकतम तापमान 2.5 डिग्री सेल्सियस बढ़कर 36.5 पर पहुंच गया। न्यूनतम तापमान भी 3.5 डिग्री की वृद्धि के साथ 20.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। दोपहर के समय सड़क और बाजार सूने नजर आने लगे। मौसम विभाग के अनुसार पांच दिनों तक मौसम साफ बना रहेगा। सप्ताह के अंत में कमजोर विक्षोभ के सक्रिय होने से एक-दो दिन तक आसमान में बादल छा सकते हैं। इस दौरान तापमान में लगातार वृद्धि हो सकती है। सप्ताह के अंत तक तापमान 42 डिग्री सेल्सियस से भी आगे निकल सकता है। इससे हीटवेव एक बार फिर से लोगों को जमकर परेशान कर सकती है। अप्रैल माह के अंत तक लू का प्रकोप देखने को मिल सकता है।

रेवाड़ी। रविवार शाम को छाए बरसात के बादल। फोटो :हरिभूमि

फसल निकालने में जुटे किसान

मौसम साफ होने से किसानों को भी राहत मिली है। बारिश में भीगी फसल तेज धूप खिलने के बाद सूख गई है। किसानों ने फसल निकालना भी शुरू कर दिया है। पछेती गेहूं की फसल कटाई का कार्य अंतिम पड़ाव पर है। कई किसानों ने गेहूं की कटाई कार्य के चलते सरसों की फसल नहीं निकाली थी। अब बची हुई सरसों निकालने का कार्य भी तेज हो गया है। आगामी मंगलवार से मंडियों में सरसों और गेहूं दोनों की आवक बढ़ने की संभावना है।